

कक्षा ६

वसंत भाग- १

पाठ-४

चाँद से थोड़ी सी गप्पें (श्री शमशेर बहादुर सिंह)

कविता का उद्देश्य

कविता साहित्य की एक विधा है। कविता कवि की सौन्दर्यानुभूति की अभिव्यक्ति है, कवि की व्यथा की अनुभूति है, कवि की आकांक्षाओं-अपेक्षाओं की अभिव्यक्ति है। कविता लिखते समय जिस भाव के साथ लिखी जाती है, यदि पढ़ने वाला भी उसे उसी अर्थ और भाव के साथ उसे समझ सके तो कविता लिखने का उद्देश्य सार्थक हो जाता है।

सहायक सामग्री

चाक व झाड़न,
जिनकी सहायता से
विद्यार्थियों द्वारा
दिए उत्तरों को
श्यामपट्ट पर
लिखा जाएगा।



पूर्व ज्ञान परिक्षण

➤ माँ बचपन में बच्चों को कैसे सुलाती है?

अनुमानित उत्तर:- गोद में लेकर लोरी सुनाती है।

➤ आपको बचपन की कोई लोरी याद है?

अनुमानित उत्तर:- चँदा मामा दूर के.....

➤ क्या आपको इसके अलावा चाँद की कोई और कविता आती है?

अनुमानित उत्तर:- बच्चों का उत्तर हाँ या न में हो सकता है।

छात्र अपने -अपने अनुभवों को बताएंगे। और उनके उत्तरों को श्यामपट्ट पर लिखा जाएगा।

प्रारूप

- कविता परिचय
- व्याख्या
- शब्दार्थ
- अनुभव आधारित अधिगम एवं गृहकार्य

चाँद से थोड़ी सी गप्पें

गोल हैं खूब मगर
आप तिरछे नज़र आते हैं
ज़रा।

आप पहने हुए हैं कुल
आकाश
तारों-जड़ा;
सिर्फ़ मुँह खोले हुए हैं अपना
गोरा चिट्ठा
गोल-मटोल



अपनी पोशाक को फैलाए हुए चारों सिम्त।
आप कुछ तिरछे नज़र आते हैं जाने कैसे
खूब
हैं गोकि!

वाह जी, वाह!
हमको बुद्धू ही निरा समझा है!
हम समझते ही नहीं जैसे कि
आपको बीमारी है:



आप घटते हैं तो घटते ही चले जाते हैं,
और बढ़ते हैं तो बस यानि कि बढ़ते ही चले
जाते हैं-

दम नहीं लेते हैं जब तक बि ल कु ल ही
गोल न हो जाएँ,
बिलकुल गोल।

यह मरज़ आपका अच्छा ही नहीं होने में.....
आता है।

गोल हैं खूब मगर----- गोल-मटोल

व्याख्या

लड़की चाँद को संबोधित करते हुए कहती है कि आप गोल तो हो पर कभी-कभी मुझे तिरछे दिखाई देते हो। आपने पूरा आकाश पहना हुआ है जिसमें तारे जड़े हैं उससे आपका सारा शरीर ढका हुआ है। बस आपका गोरा चिट्ठा गोल मटोल मुँह दिख रहा है और अपनी पोशाक को चारों ओर फैला रखा है।

अपनी पोशाक-----आपको बीमारी है

व्याख्या

आपका यह रूप और आकार सुंदर है और हम आपको अच्छी तरह से जानते हैं। आपने हमें बिल्कुल मूर्ख समझ रखा है क्या? हमें पता है कि आपको एक बीमारी है।

आप घटते हैं-----आता है।

व्याख्या

लड़की चाँद से बात करते हुए कहती है कि आपको घटने और बढ़ने की बीमारी है। जब आप घटने लगते हो तो घटते ही चले जाते हो और तब तक घटते जाते हो जब तक आकाश से गायब न हो जाओ। आपका बढ़ता आकार घटने का नाम नहीं लेता जब तक आप पूरा गोल मटोल नहीं हो जाते। पता नहीं घटने और बढ़ने की यह बीमारी आपको कब से है? आपकी यह बीमारी ऐसी है कि ठीक होने में ही नहीं आती।

प्रतिपाद्य

इस कविता में एक दस ग्यारह साल की लड़की ने चाँद के बारे में अपनी भावनाओं को प्रकट किया है। चाँद गोल है पर तिरछा नज़र आता है। उसने अपना गोरा चिट्ठा मुंह खोल रखा है। चाँद ने पूरा आकाश पहना हुआ है जिसमें तारे जड़े हैं। लड़की चाँद पर कटाक्ष करते हुए कहती है कि हम आपकी बीमारी के बारे में जानते हैं कि आपको घटने और बढ़ने की बीमारी है। चाँद जब घटने लगता है तो घटा ही चला जाता है और जब बढ़ने लगते हो तो बढ़ते है चले जाते हो। तब तक बढ़ते रहते हो जब तक बिलकुल गोल नहीं हो जाते।

शब्दार्थ

शब्द	अर्थ
तिरछे	टेढ़ा
पोशाक	कपड़े, वस्त्र
सिम्त	दिशा, ओर
निरा	बिलकुल
मरज़	बीमारी

अनुभव आधारित अधिगम एवं गृहकार्य

- ❖ बच्चों को चाँद की सोलह कलाओं की जानकारी एकत्र करने को कहा जाएगा।
- ❖ लड़की ने चाँद से गप्पें किस दिन लगाई होंगी?
- ❖ यदि आप लड़की की जगह होते तो आप इसके अलावा चाँद से क्या बातें करते?